भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 76
22 नवम्बर, 2011 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

उत्तर प्रदेश में दिमागी बुखार से बच्चों की मौत

76. श्री कलराज मिश्रः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में दिमागी बुखार के कारण बड़ी संख्या में बच्चों की मौत हो रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में मंत्रालय द्वारा क्या कार्रवाई की जा रही है; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान इस बीमारी से कितने बच्चों की मृत्यु हुई है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुदीप बंद्योपाध्याय)

(क) और (ख) वर्ष 2011 के दौरान दिनांक 16.11.2011 तक गोरखपुर जिले से दिमागी बुखार (तीव्र एंकीफालाइटिस सिंड्रोम) के कारण 143 मौतों की सूचना दी गई है।

इस संबंध में मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित उपाय किए गए हैं :–

i. वर्ष 2010 में विशेष जे ई वेक्सीनेशन अभियान के दौरान गोरखपुर जिले में 1–15 वर्ष के आयु समूह में 1451883 बच्चों को वेक्सीनेशन दिया गया था।

ii. बेहतर समन्वय और प्रबंधन के लिए 2007 में गोरखपुर में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय का जे ई उप–कार्यालय स्थापित किया गया।

iii. वर्ष 2007 में जानपदिक रोग विज्ञानी और कीट विज्ञानी अध्ययनों के लिए और समयबद्ध निवारक उपाय करने हेतु जिले के साथ गहन समन्वय के लिए बी आर डी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर में एक वेक्टर–जनित रोग निगरानी यूनिट की स्थापना की गई थी।

iv. जिला अस्पताल और बी आर डी चिकित्सा कॉलेज, गोरखपुर के प्रहरी स्थलों पर नैदानिक सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण किया गया है।

v. पर्याप्त संख्या में जे ई नैदानिक किटों की आपूर्ति की गई है।

vi. वर्ष 2008 में राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एन आई वी) पुणे की फील्ड यूनिट गोरखपुर में स्थापित की गई थी। यह यूनिट समुदाय में संचरण के संदेह वाले संदिग्ध गैर जे ई विषाणुओं को वियोजित करने हेतु सुसज्जित है। इस यूनिट के लिए भारत सरकार/आई सी एम आर द्वारा पांच वर्ष की अवधि के लिए लगभग 16 करोड़ रूपए की धनराशि आबंटित की गई है।

vii. वर्ष 2009 में बी आर डी चिकित्सा कालेज, गोरखपुर में मूल बाल रोग विभाग से संबद्ध जे ई स्थानिक वार्ड के उन्नयणार्थ एक विशेष मामले के रूप में एन आर एच एम के अंतर्गत राज्य सरकार को 5.88 करोड़ रूपए की धनराशि जारी की गई थी।

viii. वर्ष 2010 में शारीरिक चिकित्सा पुनर्वास केन्द्र स्थापित करने के लिए बी आर डी चिकित्सा कॉलेज, गोरखपुर को सीधे 54.51 लाख रूपए की धनराशि जारी की गई थी।

ix. मौजूदा वित्तीय वर्ष (2011–2012) के दौरान, बी आर डी चिकित्सा कॉलेज, गोरखपुर में कार्मिक शक्ति और प्रशिक्षण को सहायता देने के लिए उत्तर प्रदेश की एन आर एच एम कार्यक्रम कार्यान्वयन योजना (पी आई पी) में 64 लाख रूपए की धनराशि अनुमोदित की गई है।

(ग) गोरखपुर में वर्ष 2008, 2009 और 2010 के दौरान दिमागी बुखार (तीव्र एंकीफालाइटिस सिंड्रोम) से मरने वाले बच्चों की संख्या क्रमशः 137,144 और 129 थी।

.....